सजा की जानकारी (सेंटेन्सींग इन्फॉर्मेशन)

सजा सुनने से लेकर रिहाई तक (सेंटेन्सींग थ्रु रिलीस)

डेलावेयर की सजा संरचना थोड़ी भ्रमित करने वाली है। यदि आपके पास सजा आदेश या शीघ्र रिहाई की संभावना के बारे में कोई प्रश्न हैं, तो आपको अभियोजक या पीड़ित/गवाह कार्यक्रम से संपर्क करना होगा।

याद रखें कि दोषसिद्धि के बाद अपराधी के साथ क्या होता है, इस संबंध में आपको अधिकारियों के संपर्क में रहने का अधिकार है।

सजा पूर्व जाँच (प्रि-सेंटेन्स इन्वैस्टिगेशन)

याचिका समझौते या परीक्षण के माध्यम से सजा सुनाए जाने के बाद, न्यायाधीश सजा पूर्व जाँच रिपोर्ट का आदेश दे सकते हैं। सजा से पहले की एक पूर्ण जाँच रिपोर्ट में अपराध का सारांश, अपराधी की पृष्ठभूमि और पीड़ित के नुकसान और प्रभाव की जानकारी शामिल होती है। हालाँकि, कभी-कभी जब आंशिक रिपोर्ट का आदेश दिया जाता है जिसमें केवल अपराधी का आपराधिक इतिहास शामिल होता है।

यदि पूर्ण सजा-पूर्व रिपोर्ट का आदेश दिया जाता है, तो आप प्री-सेंटेन्स इन्वेस्टिगेटर (सजा पूर्व माहिती जाँचकर्ता) से विक्टिम लॉस/इम्पैक्ट फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं। यह आपके लिए सिस्टम में लोगों को जागरूक करने का एक अवसर है कि अपराध का आपके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा है। अतिरिक्त जानकारी प्रदान करने के लिए आप सजा-पूर्व माहिती जाँचकर्ता को कॉल भी कर सकते हैं।

सजा सुनाना (सेंटेन्सींग)

सुपीरियर कोर्ट में गंभीर मामलों (फेलनी ट्राइल्स) की सुनवाई होती है। कोई सजा में प्रोबेशन, नज़रबंदी (हाउस अरेस्ट), हाफवे हाउस, जेल और कोई अन्य विशेष शर्तों में कुछ समय रहना

शामिल हो सकता है। सजा सुनाने के लिए कई सुनवाइयाँ दोष सिद्ध होने के लगभग 60 दिनों के बाद की जाती है। सजा कभी-कभी तत्काल दी जाती है, यानी दोषी याचिका स्वीकार किए जाने के तुरंत बाद या मुकदमे के परिणामस्वरूप दोष सिद्ध हो जाता है तब। यदि ऐसा होता है, तो सजा पूर्व जाँच का आदेश नहीं दिया जाता है और आपको विक्टिम लॉस/इम्पैक्ट फॉर्म नहीं भेजा जाएगा। इसलिए, अभियोग लगाने या सूचना दर्ज करने के तुरंत बाद अभियोजक से संपर्क करना महत्वपूर्ण है ताकि उन्हें आपके प्रभाव और क्षतिपूर्ति की जानकारी दी जा सके। यदि तत्काल सजा सुनाई जाती है, तो अभियोजक आपकी ओर से बोल सकता है।

कुछ अपराधों के पीड़ित सजा की सुनवाई के दौरान बोल सकते हैं। अभियोजक से पूछें कि क्या यह आपके मामले में संभव है या नहीं। यह सजा की सुनवाई जनता के लिए खुली है।

अपील

मुकदमे में दोषी ठहराए जाने पर, प्रतिवादी को मामले के विभिन्न पहलुओं पर अपील करने का अधिकार है। अपील आमतौर पर नियत प्रक्रिया के उल्लंघन का दावा करती है। इसका मतलब यह है कि गिरफ्तारी, जाँच या मुकदमे के दौरान कोई प्रक्रियात्मक त्रुटि हुई थी। अपील का फैसला करने वाली अदालत इसमें से कुछ कर सकती है:

1) सजा को पलट सकते हैं, 2) मामले को नए मुकदमे के लिए वापस भेज सकते हैं, 3) मामले को फिर से सुनवाई के लिए वापस भेज सकते हैं, या 4) दोषसिद्धि की पुष्टि कर सकते हैं। अधिकांश अपील कार्य अदालत में सुनवाई के बिना लिखित कानूनी संक्षेपों के माध्यम से किया जाता है। यदि प्रतिवादी ने दलील समझौते का स्वीकार किया है और मुकदमे में नहीं जाता है, तो उसे अपील करने का कोई अधिकार नहीं है।

सजा में बदलाव (सेंटेन्स मॉडिफिकेशन)

प्रतिवादी सजा कम करने के लिए एक प्रस्ताव भी दायर कर सकता है जो 120 दिनों के भीतर दायर किया जाना चाहिए। यह सजा को कम करने के लिए अनुरोध होता है। सुनवाई की आवश्यकता नहीं है। न्यायाधीश कभी-कभी 120 दिनों की अवधि समाप्त होने के बाद सजा कम करने का प्रस्ताव देते हैं। आप किसी भी सजा में बदलाव के बारे में अधिसूचित होने का अनुरोध कर सकते हैं।

इसके अलावा, असाधारण पुनर्वास के लिए सजा में सच्चाई के दिशानिर्देश के तहत, सुधार विभाग अपराधी की सजा में बदलाव करने के लिए अदालत में याचिका दायर कर सकता है। इस प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी बुकलेट के सजा में सच्चाई अनुभाग के तहत उपलब्ध है।

दुर्भाग्य से, पीड़ितों को अदालती प्रक्रिया के माध्यम से अपील करने का अधिकार नहीं होता है अगर वे अभियोजक, जूरी या जज के फैसले से असंतुष्ट हैं।

सजा में सच्चाई (ट्रुथ इन सेंटेंसिंग)

सजा में सच्चाई (ट्रुथ इन सेंटेंसिंग, TIS) एक सजा संरचना है जो 1990 में लागू हुई थी। यह केवल उन अपराधियों पर लागू होता है जिन्हें 1990 के बाद सजा सुनाई गई है। सज़ा में सच्चाई को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि अधिक अहिंसक अपराधियों को क़ैद के विकल्प के रूप में रखा जाता है, जबकि हिंसक अपराधी जेल में अधिक समय बिताते हैं। एक वर्ष या उससे अधिक के सभी कारावासों के बाद कम से कम छह (6) महीने की संरचित सामुदायिक निगरानी की जाएगी। TIS ने कई तरीकों से कानून को बदला है।

- इसने पैरोल के “अधिकार” को समाप्त कर दिया था।
- यह एक जेल में बंद अपराधी को एक वर्ष में प्राप्त होने वाले गुड/मेरिट टाइम की मात्रा को सीमित करता है।
- इसने अधिकांश अपराध श्रेणियों के लिए अधिकतम सजा कम कर दी और दो नए गुंडागर्दी वर्गीकरण बनाए।

TIS को संरचित किया गया है ताकि अपराधियों को उनकी सजा की अवधि के लिए कैद किया जा सके। सजा में सच्चाई के अनुसार एक अपराधी को एक वर्ष में 90 दिन का गुड/मेरिट टाइम मिल सकता है। इसलिए अगर किसी व्यक्ति को दो साल की जेल की सजा सुनाई है, तो उसे एक साल और नौ महीने में गुड/मेरिट टाइम के आधार पर रिहा किया जा सकता है।

सजा में सच्चाई के तहत, सुधार विभाग अपराधी की सजा में बदलाव की माँग करने के लिए अधिकृत है। इस तरह का अनुरोध "अच्छे कारण" पर आधारित होना चाहिए, जिसमें जेल में अपराधी का असाधारण सुधार, गंभीर बीमारी, जेल में भीड़भाड़ और अन्य कारक शामिल हो सकते हैं। सुधार विभाग को एक आंतरिक प्रक्रिया के माध्यम से पात्रता को प्रमाणित करना होगा। फिर सिफारिश को पैरोल बोर्ड को भेज दिया जाएगा, जो अपनी अलग से समीक्षा करेगे। बोर्ड की सिफारिश को फिर मूल सजा देने वाले न्यायाधीश को वापस भेज दिया जाता है जो प्रदान

की गई जानकारी के आधार पर सुनवाई करने या निर्णय लेने का निर्णय ले सकता है। न्यायाधीश सजा संशोधन पर अंतिम निर्णय लेते है। यह आमतौर पर प्रलेखन और/या रिपोर्ट द्वारा किया जाता है और जनता के लिए नहीं होता है।

Sentac सजा स्तर (सेंटेंसिंग लेवल्स)

डेलावेयर में, महासभा ने जेल प्रणाली की समस्याओं का अध्ययन करने और व्यावहारिक समाधान सुझाने के लिए सजा जवाबदेही आयोग (सेंटेंसिंग अकाउंटेबिलिटी कमिसन, SENTAC) बनाया है। SENTAC ने अहिंसक अपराधियों के लिए विकल्प प्रदान करते हुए हिंसक अपराधियों को कैद करने के लिए डिज़ाइन किए गए सजा मानकों की एक नई प्रणाली बनाई है।